रजत जयंती के कार्यक्रम में कुलपति का स्वागत सम्बोधन

परम आदरणीय माननीय मुख्यमंत्री श्री जीतन राम माँझी जी, माननीय मंत्री शिक्षा विभाग श्री वृशण पटेल जी, सम्मानीय वन, पर्यावरण, योजना और विकास मंत्री श्री प्रशान्त कुमार शाही जी, बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये माननीय कुलपति, प्रति कुलपति एवं कुलसचिव महोदय, नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के सभी पूर्व कुलपति महोदय, राज्य प्रशासन के वरिष्ठ एवं अन्य पदाधिकारी आज के पावन अवसर पर आमंत्रित अन्य सभी अतिथिगण, काउंसिलर्स, स्वध्याय अध्ययन सामग्री लिखने वाले विद्वान शिक्षक एवं शोध छात्र गण, हमारे अध्ययन केन्द्रों से आये समन्वयक एवं सह–समन्वयक, स्नातकोत्तर स्तर पर प्रथम में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक देने वाले दाता परिवार के उपस्थित माननीय सदस्य गण, नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र, वर्त्तमान शोध छात्र, अन्य विधार्थी, विश्वविद्यालय के कर्मचारी गण, माननीय प्रतिकुलपति, कुलसचिव (परीक्षा) एवं प्रेस तथा प्रिंट मिडिया से आये समाज के प्रहरी ।

महानुभावों, आज का दिन नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा । पहली बार इस विश्वविद्यालय के समारोह में मुख्यमंत्री उपस्थित हुए हैं । यह हमारे लिए बड़े ही गौरव की बात है । हम अहलादित हैं । हमारे बीच राज्य के दो वरीष्ठ मंत्री और राज्य प्रशासन तथा उच्च शिक्षण क्षेत्र के विद्वान और निति निर्धारक एक साथ उपस्थित होकर नालन्दा खुला विश्वविद्यालय की तरक्की और राज्य के सूदूर क्षेत्र में रहने वाले गरीब, दबे–कुचले और साधनहीन परिवार के बच्चों को उच्च शिक्षा देने के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाने के लिए आर्शिवचन देने हेतु यहाँ उपस्थित हुए हैं । नालन्दा खुला विश्वविद्यालय अपने 27वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है । लेकिन रजत जयंन्ती कार्यक्रम की शुरूआत 25वें वर्ष में हो चुकी थी जिसका आज मुख्य कार्यक्रम है । महानुभावों, हजारी प्रसाद द्विवेदी ने लिखा है कि **बसन्त आता नहीं, लाया जाता है ।** आज सर्द और ठिठुरन भरी मौसम के बीच आपकी उपस्थिति ने नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के लिए बसंत का मौसम लाया है । हम आपको वचन देते हैं कि नालन्दा खुला विश्वविद्यालय का परिवार अपनी मेहनत से बसंत की इस मोहक वातावरण को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के वातावरण में बदलकर राज्य की तरक्की का नया इतिहास लिखने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा ।

माननीय मुख्यमंत्री जी, आपके आगमन से हम सभी अभीभूत हैं । आपने अपनी व्यस्तता के बीच समय निकालकर नालन्दा खुला विश्वविद्यालय की शोभा में चार चाँद लगाया है । हम तहे दिल से आपका स्वागत करते हैं । आपके नेतृत्व में राज्य की प्रगति और गरीबों का उत्थान हमारी

कामना है । मुख्यमंत्री जी, हम मुख्य रूप से उन्हें शिक्षा देते हैं जो गरीबी और पिछड़ेपन के कारण हर रोज़ काम करते हैं तथा परम्परागत विश्वविद्यालयों में नामांकन नहीं ले पाते हैं । आप स्वयं ऐसे बच्चों के अभिभावक स्वरूप हैं और उस परिप्रेक्ष्य में भी हम आपका स्वागत करते हैं ।

माननीय शिक्षामंत्री जी तो हर समय मन और दिल से नालन्दा खुला विश्वविद्यालय की तरक्की की कामना करते हैं । जब भी मुलाकात होती है तो विश्वविद्यालय की उन्नति की बात करते हैं । जब भी हम बुलाते हैं अपनी व्यस्तता के बावजूद आते हैं । 'Run for Distance Education' के लिए हरी झंडी दिखाकर आपने रजत जयंती कार्यक्रम को आशिर्वचन दिया था । हम आपके आभारी हैं और आज की सभा में आपका स्वागत करते हैं ।

माननीय वन, पर्यावरण, योजना और विकास मंत्री ने अपनी छाप शिक्षा मंत्रालय में भी छोड़ी है । आपने भी नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के विकास हेतु सदैव शुभकामना दी है । वस्तुतः रजत जयंती कार्यक्रम की शुरूआत वर्ष 2012 में आपके द्वारा ही एक सिम्पोजिम का उद्घाटन कर किया गया था । आपके आगमन से हम सभी गौरान्वित हैं और आपका भी तहे दिल से स्वागत करते हैं ।

हमारे सभी पूर्व कुलपतियों ने अपने–अपने ढंग से इस विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने का कार्य किया है । हम दो कुलपतियों का नाम जरूर स्मरण करना चाहेंगे जिन्होंने 6–6 वर्षों तक कुलपति के रूप में कार्य किया और उनका कार्य विश्वविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ है । हम उपस्थित सभी पूर्व कुलपतियों का भी हृदय से स्वागत करते हैं । सभागार में उपस्थित अन्य सभी महानुभाव मेरे आमंत्रण पर आये हैं, इसके लिए मैं दिल से आभारी हूँ और मीडिया से आये सज्जनों सहित हम तमाम उपस्थित लोगों का स्वागत करते हैं ।

महानुभावों, नालन्दा खुला विश्वविद्यालय कृत संकल्प है कि आनेवाले दिनों में हमारी पहचान एक ऐसे विश्वविद्यालय के रूप में होगी जो दूरस्थ माध्यम से शिक्षा देने के बावजूद अपनी गुणवत्ता के कारण बिहार से पलायन कर रहे बच्चों को नालन्दा खुला विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु आकर्षित करेगा । हम ज्ञान वृद्धि के साथ कौशल वृद्धि (Skillness Development) एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं । हमें यह कहते हुए भी हर्ष हो रहा है कि नालन्दा खुला विश्वविद्यालय एक मात्र विश्वविद्यालय है जो अपनी वित्तीय भार का वाहन स्वयं करता है । हम कम–से–कम फीस लेकर स्वस्थ्य वित्तीय प्रबन्धन और पारदर्शिता के माध्यम से राज्य सरकार पर किसी प्रकार की वित्तीय जिम्मेवारी नहीं देते हैं । इस कार्य के लिए हम शिक्षण और प्रशिक्षण की गुणवत्ता से भी कोई समझौता नहीं करते हैं ।

अभी हमारे यहाँ 115 कोर्स चल रहे हैं । अगले सत्र (2015) में स्नातकोत्तर स्तर पर 2 कोर्स M.A. in English एवं M.A/M.Sc. in Statistics, पी0जी0 डिप्लोमा के अन्तर्गत 01 कोर्स Post Graduate Diploma in Information and Public Relations और सर्टिफिकेट स्तर पर 04 कोर्स Certificate in Web Designing, Internet Marketing, Consumers Right एवं Legal Assistance प्रारंभ किये जायेंगे जो कौशल विकास और पूर्णतः रोजगारोन्मुखी होगा । हम SMS प्रक्रिया से विधार्थियों को विविध प्रकार की सूचनाएँ देते हैं । हम शीघ्र ही कई पाठ्यक्रम को e-learning के द्वारा प्रारंभ करने वाले हैं । इससे दूर–दराज के छात्रों को अध्ययन सामग्री सरलता से उपलब्ध हो जायेगी । अभी विश्वविद्यालय किराये के मकान में चल रहा है । नालन्दा में मुख्यालय हेतु राज्य सरकार द्वारा जमीन उपलब्ध करायी गयी है । वहाँ शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा । पटना एक Regional Study Centre के रूप में कार्य करता रहेगा और यहाँ भी नामांकन, पुस्तक वितरण, परीक्षा और काउन्सिलिंग के कार्य होते रहेंगे ।

हम अपने पदाधिकारी, शिक्षक, पूर्ववर्ती छात्र, वर्त्तमान छात्र और कर्मचारियों का भी स्वागत करते हैं क्योंकि कार्यक्रम का आयोजन और सफलता का मूल श्रेय उन्हें ही जाता है । आपको हम यह भी बताना चाहते हैं कि हमारे यहाँ मात्र 40 कर्मचारी हैं और वे इस विश्वविद्यालय मात्रसदृश्य समझ कर समय की कोई सीमा न रखते हुए लगभग 1.5 लाख विधार्थियों का नामांकन, परीक्षा और परीक्षा परिणाम समय पर देने का इतिहास हर साल रचते हैं ।

अंत में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर आपका स्वागत करते हुए नव वर्ष की शुभकामाना के साथ अपने विचारों पर विराम लगाता हूँ और आपके स्वस्थ्य और अच्छे जीवन की कामना करता हूँ ।

धन्यवाद ।

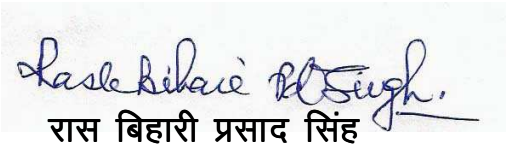

रास बिहारी प्रसाद सिंह
कुलपति